विज्ञान समाचार: एम.ओ. ई.स. न्यूज़
2020/04/02

चक्रवाती तूफानों का सटीक पूर्वानुमान के लिए बढ़ाई जाएगी रही है डॉप्लर राडार की संख्या

डॉ देवेंद्र प्रधान, भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक ने राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, नोएडा वैज्ञानिक विषयों पर हिंदी में संगोष्ठी के दौरान चक्रवात संसूचन प्रणाली में डॉप्लर मौसम राडार तथा उपग्रह की भूमिका का विश्लेषण किये। डॉ प्रधान ने बताया की डॉप्लर राडार का संजाल और उपग्रहों की प्रतिस्थापना के बाद चक्रवातका पूर्वानुमान बहुत सटीक हो गया है तथा इसकी चेतावनी बहुत दिन पहले से की जा रही है. डॉ प्रधान ने ये भी कहा की वर्तमान में भारत के पूर्वी तट पर ७ डॉप्लर तथा पश्चिमी तट पर ४ डॉप्लर राडार स्थापित किये गए है. अभी तक सब मिला के ३० राडार भारत में स्थापित किया गया है और अनुमान हैं की अगले तीन से चार साल में ५०-५५ तक स्थापित हो जायेंगे।

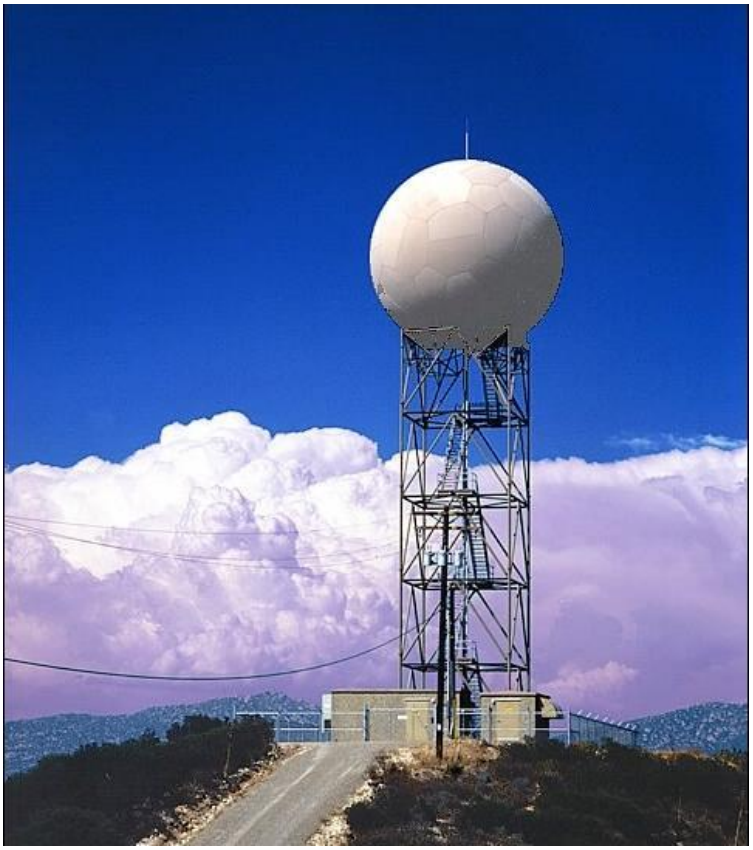

डॉप्लर राडार (फोटो साभार -विकिपीडिया)

चक्रवात की आँख का व्यास भी बहुत शुध्दता से नापा जा सकता है जिससे चक्रवात के तट से टकराने का समय और स्थान का पूर्वानुमान लगभग १२ घंटे पहले निर्धारित किया जा सकता है और हवा की गति की जानकारी भी मिलती है जिससे तटीय क्षेत्र में होने वाले खतरे का और समुद्रीय लहरों की ऊँचाई का गणना भी की जा सकती है जिससे चक्रवाती तूफानों का पूर्वानुमान और उनके समुंद्री टकराने का समय और स्थान का अधिक सटीक प्रकार से किया जायेगा।

डॉ मौहम्मद फ़ैय्याज़ अनवर
प्रोजेक्ट साइंटिस्ट, विज्ञानं प्रसार